पर्वतीय क्षेत्रों में ड्रापस्टेयर की उपयोगिता

ड्रापस्टेयर क्या है:– नालों एवं गदेरों में पत्थरों की सीढीनुमा ढंग से चुनाई करके जल निकास के लिये बनाये गये रचनात्मक कार्य को ड्रापस्टेयर कहते हैं।

ड्रापस्टेयर बनाने की विधि:– पर्वतीय श्रेत्र में पत्थर प्रचुर मात्रा में हर जगह मिल जाते है। इनमें से पौने से लेकर डेढ फुट चौडाई तक के चपटे आकार वाले पत्थर अनुमानितज मात्रा में एकत्र कर लें। इसके बाद नालों एवं गदेरों में उनकी सूखी चुनाई नीचे से ऊपर को इस प्रकार करें कि वे 20–30 सेमी0 चौडी व 15–20 सेमी0 ऊँची सीढीयों का रुप ले लें। इस सीढीदार मार्ग की चौडाई वर्षा जल के बहाव की मात्रा के अनुसार 1 से 3मी0 तक काफी रहती है।

इन्हें बनाने के लिए पर्वतीय क्षेत्र में ढाल की दिशा में ऊपर की ओर से मिट्टी काट कर नीचे ढाल की ओर मिट्टी भर दी जाती है, जहां ढाल की दि ा में मिट्टी भरी जाती हैं, उस पर पत्थरों की दीवार बना दी जाती है। दीवार को राइजर कहते हैं। दीवार को सुरक्षित करने के लिए उसकी ढाल देते हैं व दीवार की सतह पर घास उगा देते हैं।